SHODH SAMAGAM

ISSN : 2581-6918 (Online), 2582-1792 (PRINT)

राजस्थान में पर्यटन परिदृश्य वर्ष 2016 से 2020 तक: एक विश्लेषणात्मक अध्ययन

विनोद कुमार सैनी, (Ph.D.),
बड़ी ढाणी, थोई, तह.–श्रीमाधोपुर, जिला–सीकर, राजस्थान, भारत

ORIGINAL ARTICLE

Corresponding Author
विनोद कुमार सैनी, (Ph.D.),
बड़ी ढाणी, थोई, तह.–श्रीमाधोपुर,
जिला–सीकर, राजस्थान, भारत

shodhsamagam1@gmail.com

Received on : 05/07/2022
Revised on : -----
Accepted on : 12/07/2022
Plagiarism : 00% on 06/07/2022

Plagiarism Checker X Originality Report
Similarity Found: 0%

Date: Wednesday, July 06, 2022
Statistics: 0 words Plagiarized / 1380 Total words
Remarks: No Plagiarism Detected - Your Document is Healthy.

राजस्थान में पर्यटन परिदृश्य वर्ष 2016 से 2020 तक : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन डॉ. विनोद कुमार सैनी सहायक आचार्य भूगोल बड़ी ढाणी, थोई, तह.–श्रीमाधोपुर, जिला–सीकर (राजस्थान) 332719 शोध सारांश राजस्थान को पर्यटन की क्षेत्र में न केवल देश में अपितु विश्व पर्यटन मानचित्र पर प्रमुखता से जाना जाता है। राजस्थान को सदियों से अपनी गौरव गाथा कला एवं संस्कृति तीर्थ स्थल सांस्कृतिक सौंदर्य पशु पक्षी अभ्यारण एवं ऐतिहासिक के कारण

देश विदेश में सराहा जाता है। यही कारण है कि राजस्थान आये बिना पर्यटकों कि भारत पर्यटन यात्रा अधूरी रहती है। वर्तमान में राजस्थान पर्यटकों का सर्वाधिक पसंदीदा का राज्य है। राजस्थान पर्यटकों का हमेशा से ही आकर्षण का केंद्र रहा है। यहां का प्राकृतिक सौंदर्य एवं सांस्कृतिक विविधता, ऐतिहासिक स्थल पर्यटकों के आकर्षण

का केंद्र रहे हैं। राजस्थान में पर्यटन एक प्रमुख व्यवसाय के रूप में विकसित हो रहा है। शब्द कुंजी : व्यापार वाणिज्य, पर्यटन, स्वदेशी, विदेशी, राजस्थान, विरासत। भूमिका : पर्यटन मानव का प्राचीनतम और रुचिकर क्रिया कलाप का क्षेत्र रहा है। विभिन्न संस्तियों के व्यक्तियों में बेहतर समझ उत्पन्न करके सामाजिक एकीकरण तथा सौहार्द्र की दिशा में पर्यटन की भूमिका अग्रणी रही है। वर्तमान में जनसंचार सामूहिक परिवहन सुविधाओं तथा आवागमन के तीव्र गतिक साधनों के विकास का कारण

शोध सार

राजस्थान को पर्यटन के क्षेत्र में न केवल देश में अपितु विश्व पर्यटन मानचित्र पर प्रमुखता से जाना जाता है। राजस्थान को सदियों से अपनी गौरव गाथा कला एवं संस्कृति तीर्थ स्थल सांस्कृतिक सौंदर्य पशु–पक्षी अभ्यारण एवं ऐतिहासिक के कारण देश–विदेश में सराहा जाता है। यही कारण है कि राजस्थान आये बिना पर्यटकों कि भारत पर्यटन यात्रा अधूरी रहती है। वर्तमान में राजस्थान पर्यटकों का सर्वाधिक पसंदीदा का राज्य है। राजस्थान पर्यटकों का हमेशा से ही आकर्षण का केंद्र रहा है। यहां का प्राकृतिक सौंदर्य एवं सांस्कृतिक विविधता, ऐतिहासिक स्थल पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र रहे हैं। राजस्थान में पर्यटन एक प्रमुख व्यवसाय के रूप में विकसित हो रहा है।

मुख्य शब्द

व्यापार वाणिज्य, पर्यटन, स्वदेशी, विदेशी, राजस्थान, विरासत.

भूमिका

पर्यटन मानव का प्राचीनतम और रुचिकर क्रिया–कलाप का क्षेत्र रहा है। विभिन्न संस्कृतियों के व्यक्तियों में बेहतर समझ उत्पन्न करके सामाजिक एकीकरण तथा सौहार्द्र की दिशा में पर्यटन की भूमिका अग्रणी रही है। वर्तमान में जनसंचार सामूहिक परिवहन सुविधाओं तथा आवागमन के तीव्र गतिक साधनों के विकास का कारण विश्व में पर्यटन के मूल्य तथा आयामों अत्यधिक परिवर्तन आ गया है जिससे पर्यटन ने एक बहुत बड़ा व्यवसाय का रूप ले लिया है। राजस्थान का प्राकृतिक वैभव ऐतिहासिक स्थल एवं सांस्कृतिक विरासत देशी व विदेशी पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है। राजस्थान में पर्यटन का महत्व इसलिए है क्योंकि यह आय का स्रोत माना जाता है विशेषकर विदेशी मुद्रा का आर्थिक लाभ के साथ

साथ में व्यापक ज्ञान का इसके माध्यम से प्रचार प्रसार होता है। यही कारण है कि राजस्थान में पर्यटन विकास की ओर सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा ध्यान दिया जा रहा है।

अध्ययन के उद्देश्य

1. राजस्थान में वर्ष वार पर्यटकों की संख्या में आए परिवर्तन का विश्लेषण करना।
2. राजस्थान में पर्यटन विकास के समक्ष चुनौतियों का अध्ययन करना।
3. राजस्थान में पर्यटन विकास की संभावनाओं का अध्ययन करना।

शोध विधि

इस शोध आलेख में द्वितीयक आंकड़ों का प्रयोग किया गया है। शोध के आंकड़ों को अलग–अलग विभागों की वेबसाइट और इंटरनेट, विकिपीडिया, शोध पत्रों, पुस्तकों, लेखो पर्यटन विभाग की वेबसाइट तथा वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन आदि से संग्रहण किया गया है तथा आंकड़ों का विश्लेषण करके आंकड़ों को सारणी व आरेखो के द्वारा प्रस्तुत किया गया है।

राजस्थान में पर्यटन परिदृश्य

राजस्थान के पर्यटन अध्ययन से यह तथ्य सामने आए हैं कि भारत में आने वाला प्रत्येक तीसरा पर्यटक राजस्थान आने से अपने आप को रोक नहीं पाता है। अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की दृष्टि से भारत में राजस्थान राज्य का पांचवा स्थान है तथा सर्वाधिक विदेशी पर्यटक जयपुर, उदयपुर में आते हैं तथा उनमें भी सबसे अधिक फ्रांसीसी, ब्रिटिश पर्यटक होते हैं। घरेलू पर्यटकों के दृष्टि से राजस्थान सातवें स्थान पर है सर्वाधिक स्वदेशी पर्यटक अजमेर में आते हैं।

पर्यटकों के आगमन का वितरण असमान है। पर्यटन से विदेशी मुद्रा अर्जित करने वाला राज्य का दूसरा बडा उद्योग है। स्वदेशी पर्यटक सर्वाधिक सितंबर माह में तथा विदेशी पर्यटक सर्वाधिक संख्या में मार्च महीने में आते हैं जबकि सबसे कम जून महीने में अधिक गर्मी के कारण कम संख्या में पर्यटक आते हैं। पर्यटन को प्रसारित करने हेतु राज्य सरकार के पंच वाक्य "पधारो मारे देश" तथा पर्यटक "जाने क्या दिख जाए" के साथ–साथ मारु त्रिकोण तथा विशिष्ट सर्किट घोषित करने जैसी पहल कर रही है।

सारणी 1: राजस्थान में पर्यटकों का आगमन वर्ष 2016 से 2020 तक

वर्ष	पर्यटकों का आगमन संख्या			पर्यटकों का आगमन प्रतिशत	
	स्वदेशी	विदेशी	योग	स्वदेशी	विदेशी
2016	41495115	1513729	43008844	96.49	3.51
2017	45916573	1609963	47526536	96.62	3.38
2018	50235643	1754348	51989991	96.63	3.37
2019	52220431	1605560	53825991	97.02	2.98
2020	15117239	446457	15563696	97.17	2.86

(स्त्रोतः वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन, पर्यटन विभाग, राजस्थान सरकार)

आरेख: राजस्थान में पर्यटकों का आगमन वर्ष 2016 से 2020 तक

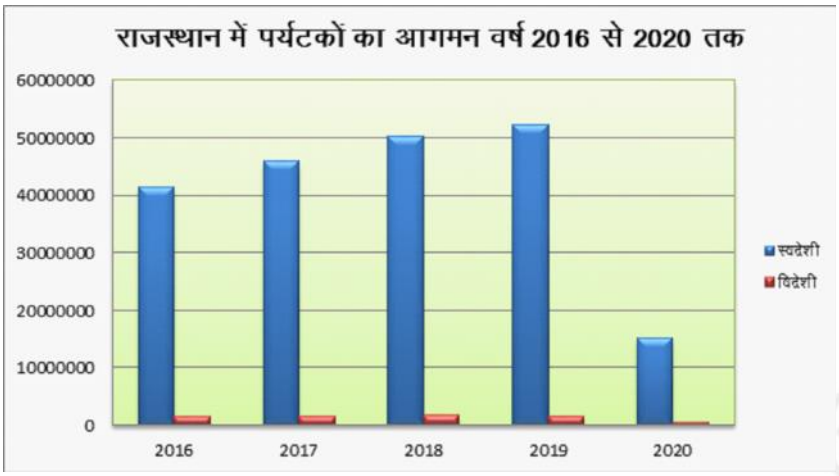

सारणी 2: गत वर्षों की तुलना में परिवर्तन

वर्ष	स्वदेशी पर्यटक		विदेशी पर्यटक		कुल पर्यटक	
	परिवर्तन संख्या	परिवर्तन प्रतिशत	परिवर्तन संख्या	परिवर्तन प्रतिशत	परिवर्तन संख्या	परिवर्तन प्रतिशत
2017	4421458	10.66	96234	6.36	4517692	10.50
2018	4319070	9.41	144385	8.97	4463455	9.39
2019	1984788	3.95	−148788	−8.48	1836000	0.04
2020	−37103192	−71.05	−1159103	−72.19	−38262295	−71.09

(स्त्रोतः अध्ययनकर्त्ता द्वारा स्वयं परिकलित)

राजस्थान में पर्यटकों अध्ययन से स्पष्ट है कि स्वदेशी पर्यटकों और कुल पर्यटकों की संख्या में अध्ययन अवधि के दौरान वर्ष 2020 को छोड़कर निरंतर वृद्धि दर की गई है जबकि विदेशी पर्यटकों की संख्या में दो वर्षों (2019 व 2020) को छोड़कर अन्य वर्षों में वृद्धि दर की गई है।

अध्ययन अवधि में स्वदेशी पर्यटकों की न्यूनतम और अधिकतम संख्या क्रमशः वर्ष (2020) और (2019) में थी।विदेशी पर्यटकों की न्यूनतम और अधिकतम संख्या क्रमशः वर्ष (2020) और (2018) में थी।कुल पर्यटकों की संख्या के संदर्भ में स्वदेशी और विदेशी पर्यटकों का न्यूनतम प्रतिशत वर्ष (2020) और में तथा इनका अधिकतम प्रतिशत क्रमशः वर्ष (2016) और (2018) में था।

देशी पर्यटकों की संख्या में अध्ययन अवधि के दौरान सर्वाधिक परिवर्तन वर्ष 2020 (−71.05) में हुआ जो निम्न प्रतिशत था जिसका सबसे बड़ा कारण कोरोना महामारी रहा है। इसी प्रकार विदेशी पर्यटकों और कुल पर्यटकों की संख्या पर्यटकों की संख्या में अधिकतम परिवर्तन क्रमशः वर्ष 2020 (−72.19) और (−71.09) में था। इसका भी सबसे बड़ा कारण कोरोना महामारी रहा है। स्वदेशी विदेशी एवं कुल पर्यटकों की संख्या में न्यूनतम परिवर्तन वर्ष 2018 में हुआ जो (9.39) प्रतिशत था।

सारणियों आरेखों से स्पष्ट है कि विदेशी पर्यटकों का कुल पर्यटकों के संदर्भ में प्रतिशत कम होने के कारण कुल पर्यटकों की संख्या में वृद्धि या कमी विदेशी पर्यटकों की संख्या में वृद्धि कमी का अनुसरण करती है।

राजस्थान में पर्यटन विकास के समक्ष चुनौतियां

राजस्थान में पर्यटन क्षेत्र का समुचित विकास में होने का प्रमुख कारण इसके सामने अनेक बाधाएं एवं

चुनौतियां है। इनमें से जैसे अपर्याप्त परिवहन सुविधाएं, व कनेक्टिविटी, जल, होटल, दूरसंचार, ऊर्जा आदि संबंधी अनेक चुनौतियां उभर कर सामने आए हैं। इसके अलावा पर्यटन स्थलो पर कुशल मानव श्रम की कमी मूलभूत सुविधाओं जैसे पेयजल प्राथमिक चिकित्सा सुप्रबंधित टॉयलेट मौसम की प्रतिकूलता, जागरुकता का अभाव आदि अनके चुनौतियां हैं जो राजस्थान के विकास को अवरुद्ध करने में सहायक हो रही है।

राजस्थान में पर्यटन विकास की संभावनाएं

राज्य में भौतिक सांस्कृतिक आधार पर पर्यटन विकास की असीम संभावनाएं हैं। सांस्कृतिक पर्यटन की विपुल संभावनाएं हैं। राज्य की पर्यटन विभाग ने अंतर्राष्ट्रीय रूप से राज्य के सांस्कृतिक धरोहर विभाग में अंतरराष्ट्रीय रुप से राज्य के सांस्कृतिक धरोहर को प्रसारित करने के लिए मेलो एवं त्योंहारो का एक कलेंडर बनाया है।

ग्रीष्मकालीन त्योंहार, माउंट आबू, तीज–त्योंहार जयपुर, मारवाड़ त्योंहार जोधपुर, पुष्कर मेला पुष्कर, चंद्रभागा मेला झालावाड, उँट महोत्सव बीकानेर, नागौर मेला नागौर, मरुमहोत्सव जैसलमेर, हाथी त्योंहार जयपुर, मेवाड़ त्योंहार उदयपुर, गणगोर त्योंहार जयपुर, इन मेलो एवं त्योंहारों में संस्कृति की अमिट छाप झलकती है। सभा, सम्मेलन, पर्यटन, खेलकूद व साहसिक कार्यो से संबंधित आदि महत्वपूर्ण है। पर्यटकों के लिए पूंजी एवं सब्सिडी की कमी कर्ज की समस्या, नए होटल की स्थापना के लिए पूंजी की व्यवस्था, करो मे रियायतें, होटल विकास के लिए अन्य सुविधाएं, पर्यटकों के निवास की उचित व्यवस्था, परिवहन व्यवस्था, मनोरंजन की सुविधाओं का विकास तथा पर्यटन तीनों का विकास आवश्यक है जिनका निराकरण आवश्यक है।

निष्कर्ष

राज्य की कलात्मक, ऐतिहासिक, साज–सम्मान आदि के लिए विदेशी पर्यटक आर्कषक ही नहीं होते है, अपितु अपने निवास पर जाकर के लोगों को भी प्रेरित करते हैं इससे हमारा अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, वाणिज्य निर्यात आदि बढ़ते हैं तथा विदेशी मुद्रा प्राप्त होती है। इससे हमारे आधारभूत ढांचे सड़क, परिवहन संचार, विद्युत जल उद्योग आदि का विकास होता है।

पर्यटन से न केवल आमोद–प्रमोद, मनोरंजन, भ्रमण एवं उद्देश्य की पूर्ति होती है, वरन् यह विदेशी मुद्रा प्राप्त करने का साधन सहयोग एवं सद्भाव का आधार, रोजगार प्रदान करने वाला उद्योग एवं शैक्षणिक सांस्कृतिक राजनैतिक तथा सामाजिक आधार प्रदान का भी आधार है। पर्यटन की विभिन्न विधाओं की दृष्टि से अलग–अलग भूमिका है। राजस्थान में पर्यटन की अपार संभावनाएं है। यहाँ के पर्यटन स्थलों को 9 सर्किटों में विभाजित किया गया हैं। कुछ मैदानी है तो कोई मरुस्थलीय, किसी में ऐतिहासिक भवन एवं किले शोभा बढ़ाते है तो कही अभ्यारण्य हैं। राजस्थान सरकार इस दिशा में महत्वपूर्ण कार्य कर रही है जिससे राजस्थान राज्य में पर्यटन उद्योग को बढ़ावा मिल रहा है।

संदर्भ सूची

1. भल्ला, एल. आर. 2015, *राजस्थान का भूगोल,* कुलदीप प्रकाशन, जयपुर।
2. साईवाल, डॉ. स्नेह 2015, *राजस्थान का भूगोल,* कॉलेज बुक हाउस, जयपुर।
3. शर्मा, एच. एस. व शर्मा एम. एल. 2013, *राजस्थान का भूगोल,* पंचशील प्रकाशन, जयपुर।
4. राजस्थान सुजस, राजस्थान सरकार।
5. *राजस्थान दर्शन,* कला एवं संस्कृति विभाग, राजस्थान सरकार।
6. सक्सेना, हरिमोहन 2019, *राजस्थान का भूगोल,* राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी।
7. राजस्थान पर्यटन विकास निगम, जयपुर।
8. जग्गफुल, राजस्थान में पर्यटन विकास का भौगोलिक अध्ययन।
9. वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन, 2016–17, 2017–18, 2018–19, 2019–2020, 2020–2021 पर्यटन विभाग, राजस्थान सरकार।

****